RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 317
दि. 21.03.2026,
शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

6 भारतीयों की मौत, 3 लाख की वतन वापसी; खाड़ी देशों में फंसे लोगों पर एमईए की पैनी नजर

नई दिल्ली (जीएनएस)। पश्चिम एशिया में गहराते युद्ध के बादलों और बढ़ती सैन्य तनातनी के बीच भारत ने अपनी कूटनीतिक सक्रियता भी तेज कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया के पांच प्रभावशाली देशों के राष्ट्राध्यक्षों से फोन पर बात कर भारत का रुख स्पष्ट किया है। पश्चिम एशिया में जारी भीषण संघर्ष के बीच भारतीय विदेश मंत्रालय ने अहम जानकारी साझा की है. मंत्रालय के मुताबिक, खाड़ी क्षेत्र में चल रहे तनाव में अब तक 6 भारतीय नागरिकों की जान जा चुकी है, जबकि एक भारतीय अभी भी लापता है। सरकार लापता नागरिक की तलाश और मृतकों के पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द भारत लाने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास कर रही है। विदेश मंत्रालय ने अब तक 3 लाख लोगों की वतन वापसी कराई है।

मिशन मोड में भारतीय दूतावास

विदेश मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव असीम आर. महाजन ने बताया कि सऊदी अरब, ओमान, इराक और संयुक्त अरब अमीरात में स्थित भारतीय मिशन स्थानीय अधिकारियों के साथ निरंतर संपर्क में हैं। सरकार का पूरा जोर इस वक्त उन परिवारों को राहत पहुंचाने पर है। लापता भारतीय की सुरक्षित बरामदगी के लिए भी स्थानीय सुरक्षा एजेंसियों के साथ 'सर्च ऑपरेशन' तेज कर दिए गए हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया के पांच प्रभावशाली देशों के राष्ट्राध्यक्षों से फोन पर बात कर भारत का रुख स्पष्ट किया है।

संवाद और कूटनीति पर भारत का जोर

प्रधानमंत्री ने ओमान के सुल्तान से भी बात की। पीएम मोदी ने कहा कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया

कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को केवल 'संवाद और कूटनीति' के जरिए ही सुलझाया जा सकता है। भारत का प्राथमिक उद्देश्य फिलहाल तनाव को कम करना और क्षेत्र में जल्द से जल्द शांति की बहाली करना है।

ऊर्जा संरचना पर हमले की पीएम मोदी ने की निंदा

इस कूटनीतिक संवाद का एक बड़ा हिस्सा वैश्विक अर्थव्यवस्था से जुड़ा रहा। प्रधानमंत्री ने ऊर्जा संरचना पर हो रहे हमलों की कड़े शब्दों में निंदा की। दरअसल, तेल और गैस के ठिकानों पर हमले वैश्विक बाजार में अस्थिरता पैदा कर सकते हैं, जिससे भारत सहित पूरी दुनिया प्रभावित होगी। इसके साथ ही, पीएम मोदी और अन्य नेताओं ने 'होर्मुज जलडमरूमध्य'से जहाजों की सुरक्षित और निर्बाध आवाजाही का समर्थन किया है।

रियाद में एक भारतीय की मौत

विदेश मंत्रालय में खाड़ी देशों के संयुक्त सचिव असीम महाजन ने कहा कि कल देर रात हमें 18 मार्च को रियाद में हुए हमले में एक भारतीय नागरिक की दुखद मृत्यु की सूचना मिली। हम मृतक के परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। रियाद स्थित हमारा दूतावास परिवार के संपर्क में है। हम शव को जल्द से जल्द भारत वापस लाने के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय कर रहे हैं। अब तक विभिन्न घटनाओं में छह भारतीय नागरिकों की जान चली गई है और एक लापता है। सऊदी अरब, ओमान, इराक और संयुक्त अरब अमीरात में स्थित हमारे दूतावास लापता भारतीय नागरिक को वापस लाने के लिए अधिकारियों के

दिल्ली, लद्दाख, अंडमान के उपराज्यपालों ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की

नयी दिल्ली, दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू, उनके लद्दाख के समकक्ष विनय कुमार सक्सेना और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के उपराज्यपाल एडमिरल डी के जोशी (सेवानिवृत्त) ने शुक्रवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। तीनों उपराज्यपालों ने प्रधानमंत्री से अलग-अलग मुलाकात की। संधू और सक्सेना को पांच मार्च को संबंधित पदों पर नियुक्त किया गया था। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की।"

पीएमओ ने एक अन्य पोस्ट में कहा, "लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की।"

पश्चिम एशिया संकट के बीच पीएम मोदी का बड़ा कदम, कतर-फ्रांस-जॉर्डन और ओमान के नेताओं से की बातचीत

(जीएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कतर, फ्रांस, जॉर्डन, ओमान और मलेशिया के नेताओं से बात की और पश्चिम एशिया में बिगड़ती स्थिति पर चिंता व्यक्त की। पश्चिम एशिया में संघर्ष को कम करने की अपील करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने क्षेत्र के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हुए हमलों की कड़ी निंदा की।

पांचों नेताओं से अलग-अलग टेलीफोन पर हुई बातचीत में, प्रधानमंत्री ने क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता की शीघ्र बहाली के लिए बातचीत और कूटनीति की जरूरत पर जोर दिया और होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित और स्वतंत्र नेविगेशन पर बल दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने पर एक पोस्ट में कहा, "मैंने अपने भाई, कतर के अमीर महामहिम एच एच शेख तमीम बिन हमद अल थानी से बात की और उन्हें और कतर के लोगों को ईद की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।"

उन्होंने दोहराया कि भारत कतर के साथ एकजुटता से खड़ा है और क्षेत्र के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हुए हमलों की कड़ी निंदा करता है।

पीएम मोदी ने 'भारतीय समुदाय को दी गई देखभाल और सहायता के लिए आभार व्यक्त किया और क्षेत्र में शांति और स्थिरता की कामना की। उन्होंने कहा, हम होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित और स्वतंत्र रुप से आवागमन के पक्षधर हैं।'

जॉर्ड के राजा से पीएम मोदी ने की बात

जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय को 'मेरा भाई'बताते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें ईद की अग्रिम शुभकामनाएं दीं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'हमने पश्चिम एशिया में बिगड़ती स्थिति पर चिंता व्यक्त की और क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता की शीघ्र बहाली के लिए संवाद और कूटनीति की आवश्यकता पर बल दिया। पश्चिम एशिया में ऊर्जा संरचना पर हमले निंदनीय हैं और इनसे अनावश्यक तनाव बढ़ सकता है।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और जॉर्डन माल और ऊर्जा के निर्बाध पारगमन के पक्षधर हैं। उन्होंने आगे कहा, 'क्षेत्र में फंसे भारतीयों की सुरक्षित वापसी में जॉर्डन के प्रयासों की हम तहे दिल से सराहना करते हैं।'

पीएम मोदी ने इमैनुएल मैक्रों से की बात

एक्स पर एक अन्य पोस्ट में, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से बात की।

उन्होंने कहा, 'मैंने अपने प्रिय मित्र, राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन से पश्चिम एशिया की स्थिति और तनाव कम करने की तत्काल आवश्यकता के साथ-साथ बातचीत और कूटनीति की ओर लौटने पर चर्चा की। हम क्षेत्र और उससे बाहर शांति और स्थिरता को आगे बढ़ाने के लिए अपने घनिष्ठ समन्वय को जारी रखने के लिए उत्सुक हैं।' जवाब में, मैक्रॉन ने लिखा, 'धन्यवाद, मेरे प्रिय मित्र। भारत और फ्रांस क्षेत्र में तनाव कम करने और शांति के लिए अपने प्रयासों के केंद्र में कूटनीति को बनाए रखने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।'

पीएम मोदी ने ओमान की संप्रभुता के उल्लंघन की निंदा की

प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि उन्होंने ओमान के 'मेरे भाई'सुल्तान हैथम बिन तारिक के साथ 'सार्थक बातचीत'की और खाड़ी देश के लोगों को ईद की अग्रिम शुभकामनाएं दीं।

सीएम योगी ने ईद की दी मुबारकबाद, 'यह पर्व भाईचारे, अमन-चैन और सौहार्द का देता है संदेश

(जीएनएस)। सीएम योगी ने कहा कि यह त्योहार अमन-चैन और सामाजिक समरसता का संदेश देता है. इस दौरान सभी को आपसी भाईचारे को और मजबूत करने तथा समाज में सौहार्द बनाए रखने का संकल्प लेना चाहिए.

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ईद-उल-फित्र (ईद) के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं. उन्होंने कहा कि यह पर्व खुशियों, मेल-मिलाप और भाईचारे का संदेश देने वाला महत्वपूर्ण त्योहार है. मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि ईद-उल-फित्र का त्योहार समाज में एकता और सौहार्द को मजबूत करता है. यह पर्व लोगों के बीच प्रेम, सद्भाव और आपसी विश्वास को बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है.

सीएम योगी ने कहा कि खुशियों का यह त्योहार अमन-चैन और सामाजिक समरसता का संदेश देता है. इस अवसर पर सभी को आपसी भाईचारे को और मजबूत करने तथा समाज में सौहार्द बनाए रखने का संकल्प लेना चाहिए. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे ईद के इस पावन अवसर को मिल-जुलकर मनाएं और समाज में शांति, सद्भाव तथा एकता को

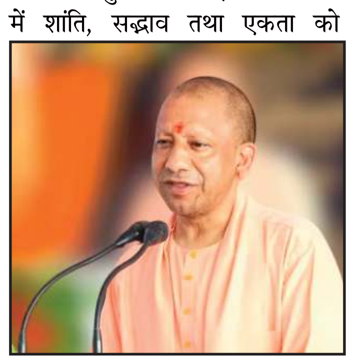

बढ़ावा दें.

राजधानी लखनऊ में ईदगाह ऐशबाग समेत सभी मस्जिदों में तैयारी पूरी कर ली गई हैं. इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया ने ईद को लेकर गाइडलाइन भी जारी की है. मौलाना खालिद रशीद ने देशवासियों को ईद की मुबारकबाद दी है. ईदगाह ऐशबाग में सुबह 10 बजे नमाज होगी और सड़क पर नमाज न पढ़ने की अपील की गई है.

ईद-उल-फितर (ईद) पर्व से पहले उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत कई जिलों में पुलिस ने सुरक्षा एवं यातायात के व्यापक प्रबंध किए हैं. राजधानी लखनऊ में ईद से पहले कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस महकमा पूरी तरह अलर्ट है. लखनऊ में ईद के त्योहार को लेकर मोबाइल पेट्रोल यूनिट बनाई गई हैं, और दफ्ळ (क्विक रिस्पॉन्स टीम) यूनिट भी तैनात की गई हैं.

बता दें कि इस साल 21 मार्च, शनिवार को ईद-उल-फितर (ईद) का त्योहार मनाया जायेगा. इस पर्व पर बड़ी संख्या में लोग मस्जिदों में ईद की नमाज अदा करते है. ईद के दिन लखनऊ में कुछ सुन्नी-समुदाय के व्यक्तियों द्वारा ऐशबाग स्थित ईदगाह पर तथा सुन्नी समुदाय के कुछ अन्य व्यक्तियों द्वारा टीले वाली मस्जिद चौक में नमाज अदा की जाती है. वहीं शिया समुदाय के व्यक्तियों द्वारा आसिफी मस्जिद (बड़ा इमामबाड़ा) और कुछ शिया समुदाय के व्यक्तियों द्वारा ठाकुरगंज स्थित जामा मस्जिद में नमाज अदा की जाती है.

असम में टीएमसी का बड़ा दांव! ममता बनर्जी से यूसुफ पठान तक 18 स्टार प्रचारकों की फौज उतारी

(जीएनएस)। असम विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है और इसी बीच तृणमूल कांग्रेस ने बड़ा कदम उठाते हुए अपने 18 स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। इस लिस्ट में सबसे बड़ा नाम पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का है, जो खुद असम में पार्टी के लिए माहौल बनाने की कमान संभालेंगी। उनके साथ पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषक बनर्जी भी चुनाव प्रचार में अहम भूमिका निभाएंगे।

कौन-कौन हैं स्टार प्रचारक?

TMC की 18 सदस्यीय सूची में राजनीति, फिल्म और खेल जगत के कई बड़े चेहरे शामिल हैं। इनमें सुष्मिता देव, काकोली घोष दस्तीदार, सागरिका घोष, महुआ मोइत्रा, मोलॉय घटक, शत्रुघ्न सिन्हा, बाबुल सुप्रियो, सताब्दी रॉय, कीर्ति आजाद, सायोनी घोष, यूसुफ पठान, शांता छेत्री, जून मालिया, सिद्दीकुल्लाह चौधरी, मोसरफ हुसैन और दुलु अहमद जैसे नाम शामिल हैं।

रणनीति क्या है?

TMC की इस लिस्ट से साफ है कि पार्टी असम में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए हर वर्ग को साधने की कोशिश कर रही है। एक तरफ अनुभवी नेता हैं, तो दूसरी तरफ फिल्म और क्रिकेट से जुड़े चेहरे भी हैं, जो जनता के बीच आसानी से कनेक्ट बना सकते हैं। खास तौर पर शत्रुघ्न सिन्हा, बाबुल सुप्रियो और यूसुफ पठान जैसे नाम स्टार पावर लेकर आते हैं, जबकि महुआ मोइत्रा और कीर्ति आजाद जैसे नेता राजनीतिक मजबूती देते हैं।

असम में TMC अभी अपनी जमीन तलाश रही है और इस बार पार्टी पूरी ताकत के साथ चुनाव मैदान में उतर रही है। ममता बनर्जी की अगुवाई में पार्टी यहां अपनी मौजूदगी मजबूत करना चाहती है और बड़े नेताओं के जरिए वोटर्स को आकर्षित करने की कोशिश कर रही है।

असम चुनाव 2026 में ळटउ ने स्टार प्रचारकों की मजबूत टीम उतारकर साफ कर दिया है कि वह इस बार मुकाबले को दिलचस्प बनाने के मूड में है। अब देखना होगा कि ममता बनर्जी और उनकी टीम असम में कितना असर छोड़ पाती है।

नाटो कागजी शेर', यूरोपीए देशों पर भड़के ट्रंप, कहा - याद रखेंगे

(जीएनएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और नाटो (ठअळड) देशों के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। ट्रंप ने ईरान के खिलाफ सैन्य सहयोग न मिलने पर यूरोपीय देशों को 'कायर' करार दिया है। उनका मानना है कि अमेरिका की शक्ति के बिना नाटो की कोई हैसियत नहीं है। ट्रंप विशेष रूप से 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' (होर्मुज जलडमरूमध्य) के रास्ते को खुलवाने में सहयोग न मिलने से नाराज हैं, जिसे वे तेल की बढ़ती कीमतों का मुख्य कारण मानते हैं।

दूसरी ओर, यूरोपीय देशों और जापान ने मिलकर एक बयान जारी किया है, लेकिन वे सीधे युद्ध में कूदने के बजाय कूटनीतिक और उचित प्रयासों पर जोर दे रहे हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर अपने सहयोगियों की जमकर क्लास लगाई। उन्होंने साफ कहा कि अमेरिका के बिना नाटो सिर्फ एक 'कागजी शेर' है, जिसमें दहाड़ने की शक्ति तो है पर लड़ने की हिम्मत नहीं। ट्रंप इस बात से खफा हैं कि जब ईरान को सैन्य रूप से रोकने की बात आई, तो इन देशों ने अपने हाथ पीछे खींच लिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अमेरिका अपने सहयोगियों के इस स्वार्थी रवैये और "कायरता" को आने वाले समय में याद रखेगा।

होर्मुज जलडमरूमध्य का संकट

होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्ग है, जो फिलहाल युद्ध के कारण बंद पड़ा है। ट्रंप का दावा है कि इस रास्ते को खोलना एक "आसान फौजी कार्रवाई" है, लेकिन यूरोपीय देश जोखिम लेने से डर रहे हैं। इस रास्ते के बंद होने से पूरी दुनिया में कच्चे तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं। ट्रंप का तर्क है कि ये देश तेल की महंगाई का रोना तो रोते हैं, लेकिन संकट सुलझाने के लिए सेना भेजने को तैयार नहीं हैं।

ट्रंप की तीखी आलोचना के बीच ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली और जापान जैसे देशों ने एक साझा बयान जारी किया है। इन देशों ने ईरान की शत्रुतापूर्ण गतिविधियों, जैसे समुद्री सुरंगें बिछाना और ड्रोन हमलों की कड़ी निंदा की है। हालांकि, वे अमेरिका की तरह सीधे युद्ध की भाषा नहीं बोल रहे हैं। उन्होंने ऊर्जा बाजारों को स्थिर करने और अंतरराष्ट्रीय नियमों के तहत "उचित प्रयासों" में शामिल होने की बात कही है, जो ट्रंप की उम्मीदों से काफी कम है।

ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच चल रहा संघर्ष अब तीसरे हफ्ते (21वें दिन) में प्रवेश कर चुका है। इस तनाव की वजह से होर्मुज का समुद्री रास्ता पूरी तरह से बंद है, जिससे वैश्विक ऊर्जा सप्लाई चेन टूट गई है। ईरान लगातार मिसाइलों और बारूदी सुरंगों के जरिए जहाजों को डरा रहा है। इस स्थिति ने न केवल आर्थिक संकट पैदा किया है, बल्कि पश्चिमी देशों और अमेरिका के पुराने रिश्तों में भी बड़ी दरार डाल दी है।

क्या नाटो में पड़ गई है फूट?

इस पूरे घटनाक्रम ने नाटो गठबंधन की एकजुटता पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। ट्रंप की "हम यह बात याद रखेंगे" वाली धमकी संकेत देती है कि भविष्य में अमेरिका अपने रक्षा समझौतों पर पुनर्विचार कर सकता है। जहां ट्रंप सैन्य ताकत के इस्तेमाल को इकलौता समाधान मानते हैं, वहीं ब्रिटेन के पीएम कीर स्टारमर और अन्य यूरोपीय नेता संयम बरतने की वकालत कर रहे हैं। यह वैचारिक मतभेद आने वाले दिनों में वैश्विक राजनीति को एक नया मोड़ दे सकता है।

उत्तर प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार से सामाजिक समीकरण साधेगी भाजपा, दिल्ली में तैयार होगी अंतिम सूची

(जीएनएस)। प्रदेश के 12 प्रमुख आयोगों, बोर्डों और निगमों में अरसे से सैकड़ों पद सहमति के अभाव और आपसी खींचतान के कारण रिक्त हैं। मनोनीत पार्षदों के मामले में भी इसी कारण ढेरों पद रिक्त हैं। केंद्रीय नेतृत्व मध्य अप्रैल तक इन पदों को हर हाल में भरना चाहता है।

इसके लिए शुक्रवार से शुरू हुए बैठकों के दौर के बाद तैयार होने वाली सूची को दिल्ली में अंतिम रूप दिया जाएगा। गौरतलब है कि आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी ने पिछड़ा वर्ग से प्रदेश अध्यक्ष बनाने के बाद बेहद अहम राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग का पद अति पिछड़ा वर्ग को दिया है। सूत्र ने बताया कि योगी मंत्रिमंडल का संक्षिप्त विस्तार होगा। वर्तमान में कुछ छह पद खाली हैं। इन्हें भरने के अलावा कुछ मंत्रियों को संगठन में भेज कर राज्य के सामाजिक समीकरण में फिट नए चेहरों को अवसर दिया जाएगा। कुछ वरिष्ठ मंत्रियों के विभागों में बदलाव होगा,

हालांकि शीर्ष स्तर पर बड़े बदलाव के संकेत नहीं हैं।

खाली पदों के लिए भी यही रणनीति

प्रदेश के 12 प्रमुख आयोगों, बोर्डों और निगमों में अरसे से सैकड़ों पद सहमति के अभाव और आपसी खींचतान के कारण रिक्त हैं। मनोनीत पार्षदों के मामले में भी इसी कारण ढेरों पद रिक्त हैं। केंद्रीय नेतृत्व मध्य अप्रैल तक इन पदों को हर हाल में भरना चाहता है। इसके जरिये रणनीति 2024 के पहले के उस वोट बैंक को साधने की है, जिसकी बदौलत पार्टी करीब एक दशक तक राज्य में अजेय रही थी। इसका अर्थ है कि पार्टी इसके जरिये अगड़ा, गैरयादव ओबीसी, अति पिछड़ा और गैरजाटव वोट बैंक को साधने की कोशिश करेगी।

प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति से दिया था संदेश

लंबी खींचतान और ऊहापोह के बाद पार्टी नेतृत्व ने बीते साल दिसंबर में ओबीसी की दूसरी सबसे अहम कुर्मी बिरादरी के पंकज चौधरी को अध्यक्ष बना कर मिशन 2027 की तैयारी शुरू करने का संकेत दिया था। इसके बाद इसी हफ्ते अति पिछड़ा वर्ग की निषाद बिरादरी की साध्वी निरंजन ज्योति को राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग का अध्यक्ष बनाया गया।

दिल्ली दरबार में फैसला

शुक्रवार और शनिवार को संघ-भाजपा समन्वय समिति, मुख्यमंत्री और सह सरकार्यवाह अरुण एवं अन्य पदाधिकारियों के साथ यूपी कोर कमेटी की बैठक होगी। इसके बाद दिल्ली में अहम बैठक के बाद अंतिम फैसला लिया जाएगा।

सम्पादकीय

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव 2026: सियासी मुकाबला, आरोप–प्रत्यारोप और लोकतंत्र का बड़ा इम्तिहान, वुल मिलाकर, 2026 के ये विधानसभा चुनाव भारतीय लोकतंत्र के लिए एक बड़ा इम्तिहान हैं। एक ओर जहां राजनीतिक दल अपनी–अपनी रणनीतियों के साथ मैदान में हैं, वहीं दूसरी ओर चुनाव आयोग निष्पक्ष और पारदशा चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध दिखाई दे रहा है।

भारत में एक बार फिर लोकतंत्र का महापर्व शुरू हो चुका है। चुनाव आयोग ने असम, केरल, तमिलनाडु, पिम बंगाल और वेंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। इस घोषणा के साथ ही देश की राजनीति में हलचल तेज हो गई है और सभी दल चुनावी मैदान में पूरी ताकत से उतर चुके हैं। इन पांचों राज्यों में वुल 824 सीटों पर मतदान होना है और लगभग 17.4 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। यह संख्या कई बड़े देशों की आबादी के बराबर है, जिससे इन चुनावों की अहमियत का अंदाजा लगाया जा सकता है।

चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि आचार संहिता लागू हो चुकी है और अब सभी राजनीतिक दलों को इसके नियमों का पालन करना होगा।

चुनाव कार्यव्रम के अनुसार पिम बंगाल में दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होगा, जबकि तमिलनाडु में 23 अप्रैल को एक ही चरण में वोटिग कराई जाएगी। असम, केरल और पुडुचेरी में 9 अप्रैल को मतदान होगा और सभी राज्यों के नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे। इस तरह चुनाव प्रािया करीब 51 दिनों तक चलेगी।

पिछली बार पिम बंगाल में आठ चरणों में मतदान हुआ था, लेकिन इस बार इसे घटाकर दो चरणों में सीमित किया गया है, जिससे प्रशासनिक प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाया जा सके। चुनाव आयोग ने इस बार पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर कई नए प्रयोग किए हैं। मुख्य चुनाव आयुत्त ने बताया कि मतदाता सूची को शुद्ध बनाने के लिए विशेष पुनरीक्षण प्रािया लागू की गई, जिससे अयोग्य नामों को हटाया जा सके। इसी प्रािया के तहत तमिलनाडु में सबसे ज्यादा करीब 74 लाख नाम हटाए गए, जबकि पिम बंगाल में लगभग 58 लाख नाम सूची से बाहर किए गए।

केरल, असम और पुडुचेरी में भी हजारों नाम हटाए गए हैं। इस कदम को लेकर विपक्ष ने सवाल उठाए हैं, जबकि आयोग का कहना है कि यह प्रािया संविधान के अनुसार और पूरी पारदर्शिता के साथ की गई है।

चुनाव आयोग ने मतदान प्रािया को सुरक्षित और पारदशा बनाने के लिए सभी बूथों पर 100 प्रतिशत वेबकास्टग की व्यवस्था करने की घोषणा की है। इसके अलावा मोबाइल फोन को मतदान वेंद्र के अंदर ले जाने पर प्रतिबंध रहेगा, जिससे किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या प्रभाव डालने की संभावना कम हो सके। आयोग ने यह भी सुनिाित किया है कि एक मतदान वेंद्र पर 1200 से अधिक मतदाता न हों, ताकि मतदान सुचारू रूप से हो सके। दूरस्थ और दुर्गम इलाकों में भी मतदान वेंद्र बनाए गए हैं, जहां अधिकारी कठिन परिस्थितियों में पहुंचकर चुनाव संपन्न कराते हैं।

केरल और असम के कई क्षेत्रों में मतदान दलों को कई किलोमीटर पैदल चलकर बूथ तक पहुंचना पड़ता है, जो भारत के लोकतंत्र की मजबूती को दशार्ता है।

चुनाव की घोषणा के साथ ही राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि आयोग और भाजपा के बीच जुगलबंदी चल रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव कार्यव्रम की टाइमिग से यह स्पष्ट होता है कि सत्ताधारी दल को फायदा पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। वहीं भाजपा नेताओं ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि विपक्ष अपनी हार की आशंका से पहले ही बहाने बना रहा है। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने चुनाव घोषणा के बाद सोशल मीडिया पर "यतो धर्मस्ततो जयः"

पीएम मोदी ने थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन को दी बधाई, कहा- और मजबूत करेंगे साझेदारी

नई दिल्ली (जीएनएस)।

प्रधानमंत्री मोदी ने अनुतिन चर्नविराकुल को थाईलैंड का नया प्रधानमंत्री बनने पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और रणनीतिक रिश्तों को मजबूत करने की बात कही।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अनुतिन चर्नविराकुल को थाईलैंड का प्रधानमंत्री चुने जाने पर बधाई दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों नेता मिलकर भारत और बैंकॉक के बीच रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करेंगे। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट साझा किया। उन्होंने कहा कि भारत और थाईलैंड के रिश्ते साझा सभ्यता और संस्कृति पर आधारित हैं। दोनों देशों के लोगों के बीच बहुत पुराने और गहरे संबंध हैं। उन्होंने जोर दिया कि दोनों देश शांति, प्रगति और समृद्धि के साझा लक्ष्यों के लिए एकजुट हैं।

थाईलैंड के निचले सदन ने गुरुवार को अनुतिन चर्नविराकुल को देश का नया प्रधानमंत्री चुना। उन्हें कुल 293 वोट मिले। 59 साल के अनुतिन को 8 फरवरी के आम चुनाव के बाद संसदीय मतदान में चुना गया है। उनके प्रतिद्वंद्वी नत्थाफोंग रुआंगपान्यवुत को सिर्फ 119 वोट मिले। मतदान के दौरान 86 सदस्यों ने

हिस्सा नहीं लिया। अनुतिन की पार्टी 'भूमजईथाई' ने 500 सीटों वाले सदन में 191 सीटें जीती थीं। उन्होंने पीपुल्स पार्टी को पीछे छोड़ दिया, जिसे 120 सीटें मिली थीं। इसके बाद अनुतिन ने 16 पार्टियों का एक गठबंधन बनाया। इसमें फेउ थाई पार्टी भी शामिल है। इस गठबंधन के पास कुल 292 सीटें हैं।

अनुतिन पिछले दो दशकों में दोबारा सत्ता में लौटने वाले पहले थाई प्रधानमंत्री बने हैं। हालांकि, उनके सामने कई चुनौतियां भी हैं। उन्हें साल 2022 में भांग (कैनबिस) को अपराध की श्रेणी से बाहर करने के लिए जाना जाता है। अगस्त 2025 में पैतोंगतार्न शिनावात्रा को पद से हटा दिया गया था। कंबोडियाई नेता हुन सेन के साथ उनकी फोन कॉल लीक होने के बाद कोर्ट ने यह फैसला सुनाया था। इसके बाद अनुतिन ने अल्पसंख्यक सरकार का नेतृत्व किया था।

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा विवाद भी एक बड़ी समस्या है। दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम के बाद फिर से लड़ाई शुरू हो गई थी। इस संघर्ष ने अनुतिन को अपनी राष्ट्रवादी छवि मजबूत करने और बहुमत हासिल करने का मौका दिया। अनुतिन के पिता चवरत चर्नविराकुल ने एक बड़ी निर्माण कंपनी 'सिनो–थाई इंजीनियरिंग एंड कंस्ट्रक्शन' की स्थापना की थी। अनुतिन ने साल 2004 में अरबपति थाक्सिन शिनावात्रा के प्रशासन से राजनीति में कदम रखा था। साल 2007 में कोर्ट ने थाक्सिन की पार्टी को भंग कर दिया था। इसके बाद अनुतिन पर भी पांच साल के लिए राजनीति से प्रतिबंध लगा दिया गया था। इसके बाद वे साल 2012 में भूमजईथाई पार्टी के नेता के रूप में राजनीति में वापस लौटे।

'बलदेव का किरदार निभाने के बाद मैं खुद भी ऑनलाइन दुनिया में और ज्यादा सावधान हो गया हूं,'कहते हैं सुधांशु पांडे, कलर्स के शो 'दो दुनिया एक दिल' में

कलर्स का शो 'दो दुनिया एक दिल' प्रीमियर से ही दर्शकों के दिलों में जगह बना चुका है। यह कहानी उस दुनिया की है जहां ऑफलाइन और ऑनलाइन ज़िंदगी सबसे अप्रत्याशित तरीके से टकराती है। इस कहानी के केंद्र में है शिवाय (विक्रम सिंह चौहान), जिसने अपनी ज़िंदगी का सपना इस विश्वास पर बनाया था कि टेक्नोलॉजी इंसानों की मदद कर सकती है। लेकिन एक खतरनाक डिजिटल स्कैम उसकी पूरी दुनिया उजाड़ देता है। वहीं है आध्या (राची शर्मा), एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, जिसकी पहचान ही ऑनलाइन दुनिया से बनी है। दोनों एक–दूसरे से बिल्कुल अलग हैं, फिर भी प्यार इन दोनों को जोड़ देता है। लेकिन असली ट्विस्ट तब आता है जब पता चलता है कि आध्या, बलदेव सिंह (सुधांशु पांडे) की बेटी है वही शख्स जिसने शिवाय की ज़िंदगी तबाह कर दी। इस डिजिटल दौर में, जहां सच हर पल बदल सकता है और भरोसा एक क्लिक में टूट सकता है, बलदेव सबसे खतरनाक किरदार बन जाता है। सुधांशु पांडे बताते हैं कि डिजिटल युग के विलेन को निभाना उनके लिए क्या मायने रखता है।

यह शो उस नाजुक संतुलन को दिखाता है जिसे लोग रोज अपनी असली और डिजिटल दुनिया के बीच बनाए रखने की कोशिश करते हैं। शिवाय ने एक बड़े धोखे के बाद इंटरनेट से पूरी तरह दूरी बना ली है, जबकि आध्या उसी डिजिटल दुनिया में एक सफल सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के रूप में आगे बढ़ रही है। उनकी कहानी दो बिल्कुल अलग सोच के टकराव को दिखाती है, एक जो अविश्वास से भरी है और दूसरी जो डिजिटल दुनिया की संभावनाओं पर विश्वास करती है।

सुधांशु पांडे के अनुसार, यही टकराव इस कहानी को खास बनाता है। जब शिवाय और आध्या की मुलाकात होती है, तो दो अलग दुनिया के बीच प्यार जन्म लेता है। लेकिन कहानी का सबसे बड़ा मोड़ तब आता है जब यह सच सामने आता है कि आध्या, बलदेव सिंह चौहान की बेटी है, वही व्यक्ति जिसने शिवाय की जिंदगी तबाह कर दी थी। बलदेव के किरदार के जरिए यह शो एक अहम सवाल उठाता है कि क्या इंसान सच में अपने अतीत के किए नुकसान को बदल सकता है।

ड्रामा के साथ–साथ 'दो दुनिया एक दिल' एक मजबूत सामाजिक संदेश भी देता है। साइबर अपराध के बढ़ते खतरे को लेकर जागरूकता फैलाने के लिए कलर्स ने गृह मंत्रालय और इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (I4C) के साथ

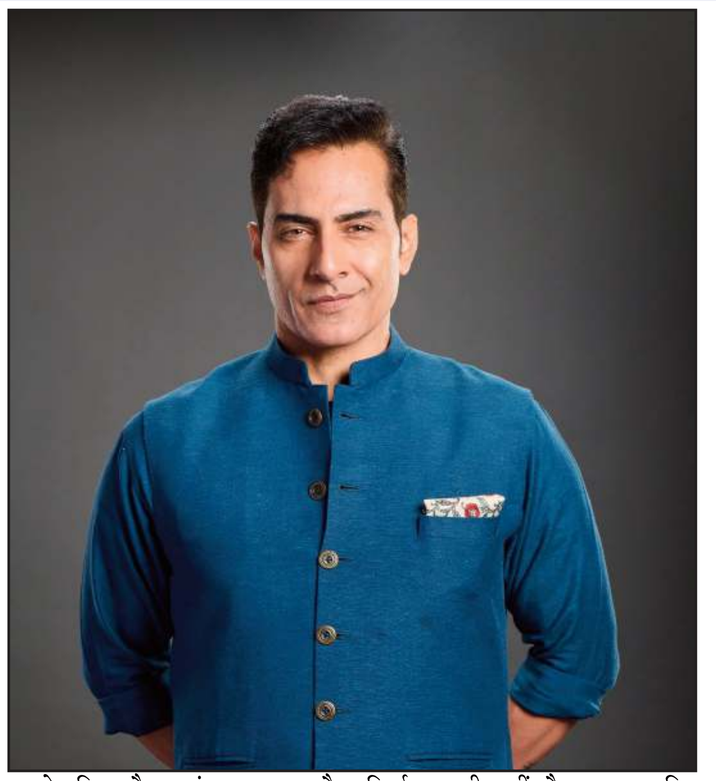

सहयोग किया है। सुधांशु का कहना है कि साइबर फ्रॉड सिर्फ कहानी का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह आज के समय की एक सच्चाई है जिसका सामना कई लोग कर रहे हैं। बलदेव भले ही एक काल्पनिक किरदार हो, लेकिन वह जिस चीज का प्रतिनिधित्व करता है, यानी तकनीक का गलत इस्तेमाल और एक छोटी सी गलती से होने वाला बड़ा नुकसान, वह पूरी तरह वास्तविक है।

सुधांशु कहते हैं, 'साइबर फ्रॉड सिर्फ कहानी नहीं है। यह हर दिन असली लोगों के साथ हो रहा है। बलदेव एक काल्पनिक किरदार हो सकता है, लेकिन वह जिस खतरे को दिखाता है वह बिल्कुल असली है। कभी–कभी एक गलत क्लिक या किसी के साथ साझा किया गया ओटीपी पूरी जिंदगी बदल सकता है।'

अपने किरदार के बारे में बात करते हुए सुधांशु बताते हैं कि बलदेव सिंह चौहान ऐसा व्यक्ति है जिसे अपनी बात मनवाने के लिए आवाज ऊँची करने की जरूरत नहीं पड़ती, क्योंकि उसे सिस्टम और लोगों दोनों को समझना आता है। बलदेव एक छिपा हुआ लोन नेटवर्क चलाता है, जो जरूरतमंद लोगों को कर्ज.के जाल में फँसाकर उन्हें चुप्पी और डर में जीने के लिए मजबूर कर देता है। हालांकि यह किरदार सिर्फ एक सीधा–सादा विलेन नहीं है। सुधांशु मानते हैं कि बलदेव भी परिस्थितियों और अपने फैसलों का नतीजा है। जैसे–जैसे कहानी आगे बढ़ेगी, दर्शकों को उसके अतीत की परतें और वह रास्ता देखने को मिलेगा जिसने उसे इस मुकाम तक पहुँचाया।

दिलचस्प बात यह है कि इस किरदार की तैयारी के लिए सुधांशु को किसी खास रिसर्च की जरूरत नहीं पड़ी। उनका मानना है कि हर इंसान अपनी जिंदगी में कभी न कभी ऐसे लोगों से मिला होता है जो ऊपर से आकर्षक और आत्मविश्वासी लगते हैं, लेकिन अंदर ही अंदर एक अलग खेल खेल रहे होते हैं। एक अभिनेता के रूप में ऐसे अनुभव किरदारों को समझने और उन्हें जीवंत बनाने में मदद करते हैं।

सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव पर बात करते हुए सुधांशु मानते हैं कि बलदेव का किरदार निभाने के बाद वह खुद भी ऑनलाइन चीजों पर भरोसा करने से पहले ज्यादा सतर्क हो गए हैं। उनके अनुसार सोशल मीडिया ने कलाकारों को दर्शकों से जुड़ने का एक बड़ा मंच दिया है, लेकिन यह अक्सर सिर्फ जिंदगी का एक सजाया हुआ हिस्सा ही दिखाता है। शो में बलदेव इस बात को भली–भांति समझता है कि डिजिटल दुनिया में लोगों की धारणा कितनी ताकतवर हो सकती है और यह किसी की जिंदगी को बना भी सकती है और बिगाड़ भी सकती है।

इस शो की शूटिंग का बड़ा हिस्सा आगरा में किया गया है, जिसने कहानी को और भी वास्तविकता दी है। सुधांशु बताते हैं कि इस ऐतिहासिक शहर की जीवंत गलियाँ, यहाँ के लोग और इसकी भव्यता ने शूटिंग के अनुभव को खास बना दिया। असली लोकेशनों पर शूट करने से दृश्यों में एक अलग ही वास्तविकता और ऊर्जा आ जाती है, जिसे किसी सेट पर दोहराना मुश्किल होता है।

अपने प्रशंसकों के लिए आभार व्यक्त करते हुए सुधांशु कहते हैं कि दो दुनिया एक दिल' की कहानी आज के समय से बहुत जुड़ी हुई है। उनके अनुसार दर्शक इस शो के किरदारों की भावनाओं से जरूर जुड़ेंगे, क्योंकि यह कहानी प्यार, भरोसे और फैसलों के असर को उस दुनिया में दिखाती है जहाँ डिजिटल जिंदगी का प्रभाव लगातार बढ़ता जा रहा है।

'दो दुनिया एक दिल' देखना न भूलें, हर सोमवार से शुक्रवार रात 9:00 बजे, केवल कलर्स और जियोहॉटस्टार पर।

बेटे की भावुक अपील ने जीता सबका दिल

'मोदी जी कह देंगे तो पापा दवा खा लेंगे': पीएम की इंस्टा स्टोरी वायरल; बेटे की भावुक अपील ने जीता सबका दिल

(जीएनएस)।

इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर करते हुए में पीएम मोदी ने लिखा 'युवराज के अनुरोध पर, मैं उनके पिता (और सभी से) आग्रह करूंगा कि वे चीनी का सेवन कम करें... स्वस्थ रहें, खुश रहें!' स्टोरी सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई है। इस स्टोरी में एक युवक अपने पिता को लेकर ऐसी अपील करता नजर आता है, जिसने लोगों को मुस्कुराने के साथ–साथ भावुक भी कर दिया।

वीडियो में युवक हल्के–फुल्के अंदाज में कहता है कि उसके पिता प्रधानमंत्री मोदी के 'जबरदस्त फैन' हैं और उनकी हर बात मानते हैं। इसी

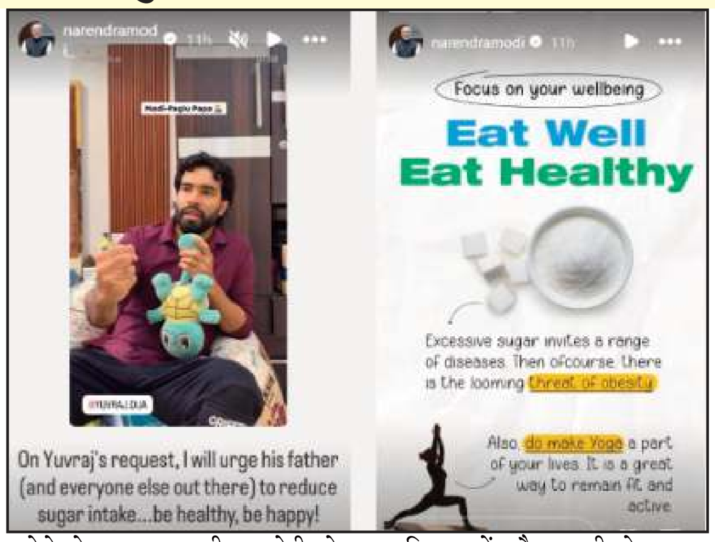

भरोसे के साथ वह पीएम मोदी से अनुरोध करता है कि वे अपने लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात में उसके पिता को खास तौर पर संदेश दें कि पापा, डायबिटीज की दवा समय पर लिया करें और अपनी सेहत का ध्यान रखें।

युवक की इस अनोखी गुहार को पीएम ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया और उस पर लिखा कि युवराज के निवेदन पर मैं उनके पिता से कम चीनी खाने और सेहत का ध्यान रखने की अपील करूंगा। लोग इसे एक बेटे की चिंता और प्रधानमंत्री के प्रति आम लोगों के गहरे जुड़ाव के उदाहरण के रूप में देख रहे हैं। इस स्टोरी से पीएम मोदी का एक अलग, मानवीय पक्ष भी सामने आता है, जहां वे आम नागरिकों की छोटी–छोटी लेकिन दिल से जुड़ी बातों को भी मंच देते हैं।

पीएम ने दिया मीठा कम योग ज्यादा का संदेश

पीएम मोदी ने अगली स्टोरी में मीठा कम और योग ज्यादा का भी संदेश दिया। इस स्टोरी में पीएम ने लिखा, अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें, अच्छा खाएं, स्वस्थ भोजन करें। साथ ही ज्यादा चीनी के नुकसान, मोटापे के खतरे और योग को जीवन का हिस्सा बनाने की सलाह भी दी गई।

सीएम योगी आज करेंगे मानव–वन्यजीव संघर्ष व वानिकी के

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विश्व वानिकी दिवस पर मानव–वन्यजीव संघर्ष और वानिकी में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित करेंगे।

बहराइच के अच्छे लाल और प्रयागराज की तनु सिंह भी होंगे सम्मानित।

'अरण्य समागम' में 17 राज्यों के वन विशेषज्ञ करेंगे चर्चा।

लखनऊ। विश्व वानिकी दिवस के मौके पर शनिवार को मानव–वन्यजीव संघर्ष व वानिकी के क्षेत्र में अच्छा काम करने वालों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सम्मानित करेंगे। इनमें बहराइच के 10 वर्षीय बालक अच्छे लाल व प्रयागराज की 18 वर्षीय युवती तनु सिंह शामिल हैं।

अच्छे लाल पर तेंदुए ने हमला कर दिया था, उसने बहादुरी का परिचय देते हुए स्वयं को बचाया था। तनु के घर तेंदुआ घुस गया था उसने बिना डरे साहस व सूझ–बूझ का परिचय दिखाते हुए स्वयं व दो छोटे बच्चों को कमरे से बाहर किया और तेंदुए को कमरे में बंद कर दिया था। बिना किसी जनहानि के तेंदुए को सुरक्षित रेस्क्यू किया जा सका था।

वन मंत्री डा. अरूण कुमार सक्सेना ने शुक्रवार को प्रेस कान्फ्रेंस में बताया कि शनिवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित 'अरण्य समागम राष्ट्रीय वानिकी संवाद' कार्यक्रम का मुख्यमंत्री उद्घाटन करेंगे। इसमें करीब 17 प्रदेशों के प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष के साथ ही कैंपा (क्षतिपूर्ति वनीकरण कोष प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण) के सीईओ व विशेषज्ञ शामिल होंगे।

मुरादाबाद वन प्रभाग के उप क्षेत्रीय वन अधिकारी पुष्पेन्द्र सिंह को भी इसमें सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने पिछले तीन वर्षों में 12 तेंदुओं को रेस्क्यू कर वापस उनके प्राकृतवास में सुरक्षित छुड़वाया है।

तीन तकनीकी सत्र में पहला वन प्रबंधन का आधुनिकीकरण एवं डिजिटल एकीकरण है। दूसरा वन एवं वन्यजीव क्षेत्रों के आसपास मानव–वन्यजीव संघर्ष निवारण के तरीके है। इसमें विभिन्न प्रदेश अपनी–अपनी तकनीक पर विस्तार से चर्चा करेंगे। तीसरा सत्र वनीकरण एवं वन्यजीव संरक्षण कार्यों में कैंपा धनराशि का प्रभावी उपयोग एवं वित्तीय जवाबदेही है।

मुख्यमंत्री पीलीभीत टाइगर रिजर्व व सोहेलवा वन्यजीव प्रभाग की काफी टेबल बुक का विमोचन, वन विभाग की लघु फिल्मों का अनावरण भी करेंगे। कार्बन क्रेडिट के तहत तीन किसानों बिजनौर की कोमल सिंह, कुशीनगर के ईश्वर चन्द्र व रायबरेली की सुनीता को चेक दिए जाएंगे।

पाकिस्तान में बैन होने के बावजूद रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' देख रही पब्लिक, मेकर्स की बढ़ी चिंता

(जीएनएस)।

19 मार्च 2026 को रिलीज हुई रणवीर सिंह स्टारर धुरंधरः द रिवेंज भले ही पाकिस्तान में ऑफिशियली बैनरही, लेकिन यह फिल्म वहां धड़ल्ले से देखी जा रही है। रिपोर्ट्स की माने तो पायरेटेड वर्जन इंटरनेट पर तेजी से वायरल हुआ है। रिलीज के कुछ ही घंटों के भीतर इसके लिंक कई प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध हो गए। जिससे फिल्म के मेकर्स की चिंता बढ़ गई।

मामला तब सुर्खियों में आया जब पाकिस्तानी पत्रकार खालिद महमूद खालिद ने लाहौर में फिल्म देखने का दावा करते हुए एक वीडियो साझा किया। इस क्लिप में स्क्रीन पर वॉटरमार्क दिखाई दे रहा था, जो यह संकेत देता है कि फिल्म अनऑफिशियल माध्यम से देखी जा रही थी। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।

बैन के बावजूद दर्शकों की पहुंच

निर्देशक आदित्य धर की इस जासूसी थ्रिलर को पाकिस्तान के अलावा कई खाड़ी देशों में भी रिलीज की अनुमति नहीं मिली। इसके बावजूद दर्शक टॉरेंट साइट्स, टेलीग्राम चैनलों, वीपीएन और विदेशी स्ट्रीमिंग लिंक के जरिए फिल्म देख रहे हैं। धुरंधर फ्रेंचाइजी के लिए यह स्थिति नई नहीं है। पहली फिल्म धुरंधर को भी पाकिस्तान में भारी पायरेसी का सामना करना पड़ा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रिलीज के शुरूआती दिनों में ही इसके लाखों अवैध डाउनलोड दर्ज किए गए थे, जिसने कई बड़ी फिल्मों के रिकॉर्ड तोड़ दिए थे।

भारत में सख्त कानूनी कार्रवाई

भारत में पायरेसी को रोकने के लिए मद्रास उच्च न्यायालय ने रिलीज से पहले ही सख्त कदम उठाए। अदालत ने इंटरनेट सेवा प्रदाताओं और केबल ऑपरेटरों को फिल्म के अवैध प्रसारण या स्ट्रीमिंग से रोक दिया। यह आदेश 15 अप्रैल 2026 तक लागू रहेगा। फिल्म के निमार्ता फी'ल्लू क्ल्ल४२३१४२ छे३ी और जियो स्टूडियो ने अदालत में दलील दी थी कि पायरेसी से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हो सकता है।

कानून के तहत सख्त सजा

भारतीय कानून के अनुसार, पायरेटेड कंटेंट देखने या डाउनलोड करने पर 3 लाख रुपये तक का जुमार्ना लगाया जा सकता है। गंभीर मामलों में यह जुमार्ना फिल्म की कुल लागत के प्रतिशत तक भी पहुंच सकता है।

पायरेसी की समस्या के बावजूद धुरंधरः द रिवेंज बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। हालांकि, अवैध प्रसारण से फिल्म के कुल कारोबार पर असर पड़ने की आशंका बनी हुई है।

सीएम योगी बोले- बेमौसम बारिश से बर्बाद फसलों का तत्काल दें मुआवजा, राहत कार्यों में देरी न हो

लखनऊ (जीएनएस)।

मुख्यमंत्री ने बेमौसम बारिश से क्षतिग्रस्त फसलों का तत्काल मुआवजा देने के निर्देश दिए। अधिकारियों को फील्ड में जाकर नुकसान का आकलन करने और राहत कार्य तुरंत शुरू करने को कहा। भुगतान पारदर्शी और समयबद्ध होगा। सरकार किसानों के हितों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह सक्रिय रहेगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में बेमौसम बारिश से क्षतिग्रस्त फसलों के नुकसान का आकलन कर तत्काल मुआवजा देने का निर्देश दिया है। साथ ही अधिकारियों को अलर्ट मोड में रहने को कहा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसानों के हितों से किसी भी

प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। राहत पहुंचाना प्राथमिकता होनी चाहिए। सभी डीएम फील्ड में निकलकर स्थिति का जायजा लें और प्रभावित क्षेत्रों में फसलों को हुए नुकसान का तत्काल आकलन कराएं।

उन्होंने कहा कि यह कार्य केवल कागजी न होकर वास्तविक स्थिति के आधार पर किया जाए, ताकि किसानों को सही और समय पर सहायता मिल सके। राहत आयुक्त फील्ड के अधिकारियों से सीधा संपर्क और समन्वय रखें।

सभी सूचनाएं जुटकर शासन भेजें, जिससे राहत कार्यों में देरी न हो। भुगतान पारदर्शी और समयबद्ध हो। प्रदेश सरकार किसानों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है और किसी भी आपदा की स्थिति में उन्हें सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। अधिकारी संवेदनशीलता के साथ कार्य करें ताकि किसी भी किसान को परेशानी का सामना न करना पड़े।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

मुख्यमंत्री के आदेश को ठेंगे पर रखती त्रिवेदी गैस एजेंसी, कालाबाजारी की आंच में जल रहे उपभोक्ताओं के हक!

गैस एजेंसी या ब्लैकमेलिंग का अड्डा? त्रिवेदी गैस के चक्कर काटते उपभोक्ता और बेअसर प्रशासनिक दावे!

(जीएनएस)।

लखनऊ। राजधानी के हुसैनगंज स्थित भानमती चौराहा इन दिनों एक विशेष चमत्कार का गवाह बन रहा है। यहाँ की त्रिवेदी गैस एजेंसी ने शायद समय के पहिये को पीछे घुमा दिया है। एक तरफ सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ का सख्त फरमान है कि बुकिंग के 3 दिन के भीतर सिलेंडर उपभोक्ता के घर की दहलीज पर होगा, तो दूसरी तरफ यह एजेंसी है जो 7 मार्च की बुकिंग को आज 20 मार्च तक एंटीक पीस बनाकर सहेज कर बैठी है।

त्रिवेदी गैस एजेंसी का डिजिटल तमाचा, 7 मार्च की बुकिंग, पर चूल्हा ठण्डा!

त्योहारों का सीजन है, घरों में पकवानों की तैयारी होनी चाहिए, लेकिन उपभोक्ताओं के नसीब में केवल एजेंसी के चक्कर काटना लिखा है। जिलाधिकारी महोदय बड़े प्यार से कहते हैं कि किसी के घर का चूल्हा बंद नहीं होगा, मगर शायद त्रिवेदी गैस एजेंसी ने इस बयान को जोक समझ लिया है। एजेंसी के पास गैस का स्टॉक तो पहाड़ जैसा है, लेकिन उपभोक्ताओं के लिए उनके पास सिर्फ एक ही जवाब है, गैस नहीं आई है।

वाह! क्या गजब की मैनेजमेंट है। जब बड़े पैमाने पर गैस मिल रही है और उपभोक्ताओं तक नहीं पहुँच रही, तो सवाल यह उठता है कि क्या ये सिलेंडर जमीन खा गई या आसमान निगल गया? या फिर ब्लैकमेलिंग और कालाबाजारी के खेल में ये सिलेंडर किसी गुप्त रास्ते से रफूचक्कर हो रहे हैं?

एजेंसी का व्यवहार तो और भी लाजवाब है। जब कोई उपभोक्ता अपनी गाढ़ी कमाई के पैसे देकर, वैध बुकिंग आईडी लेकर वहां पहुँचता है, तो उसे ऐसे भगाया जाता है जैसे वह गैस का सिलेंडर नहीं, बल्कि एजेंसी मालिक की जायदाद का हिस्सा मांग रहा हो। 20-20 दिन से दर-दर भटकते इन उपभोक्ताओं की बेबसी को देखकर लगता है कि डिजिटल इंडिया का सारा नेटवर्क इसी चौराहे पर आकर दम तोड़ चुका है।

कमिश्नर साहब ने नंबर जारी किए, सरकार ने हेल्पलाइन बनाई, लेकिन त्रिवेदी गैस एजेंसी के रसूख के आगे ये सब कागज के शेर साबित हो रहे हैं। आखिर किसकी शह पर यह कालाबाजारी का नंगा नाच चल रहा है? क्या शासन की छवि खराब करने का यह नया तरीका है?

मुख्यमंत्री जी कह रहे हैं 3 दिन और यहाँ बीत रहे हैं 20 दिन। अब देखना यह है कि प्रशासन की नींद कब टूटती है, या फिर उपभोक्ता इसी तरह अमृत काल में खाली सिलेंडर लेकर सड़क पर बैठकर अपनी किस्मत और सरकार के वादों को कोसता रहेगा।

उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा निवेश का केंद्र बनने की ओर अग्रसर

यूपीएक्स 2026 आयोजन 7-9 मई को लखनऊ में

प्रयागराज, 20 मार्च (शुक्रवार) ।उत्तर प्रदेश को स्वच्छ ऊर्जा निवेश का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, उत्तर प्रदेश एनर्जी एक्सपो (वढए) 2026के लिए प्री-इवेंट जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को विकास भवन, प्रयागराज में किया गया।

इस पहल का आयोजन यूपी स्टेट चैप्टर पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स और फर्स्टव्यू द्वारा, यूपीनेडा (उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण), उत्तर प्रदेश सरकार तथा सेवा(रएश्अ) के सहयोग से, केईआई इंडस्ट्रीज लिमिटेड के समर्थन में किया जा रहा है।

कार्यक्रम का मुख्य फोकस 'पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना' पर रहा, जिसमें उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और अधिकारियों ने भाग लेकर सौर ऊर्जा क्षेत्र में उभरते अवसरों, नीतिगत ढांचे और राज्य में बढ़ती संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हर्षिका सिंह, क्अर, मुख्य विकास अधिकारी, प्रयागराज ने कहा कि राज्य के सतत विकास के लिए नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि पीएम सूर्य घर योजना एवं पीएम-कुसुम योजना जैसे प्रमुख प्रयास घरों, किसानों और उद्योगों को सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं, जिससे ऊर्जा सुरक्षा मजबूत हो रही है।

प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए यू.पी. त्रिपाठी, कॉन्फ्रेंस सह-संयोजक,यूपी एक्स 2026 ने जानकारी दी कि उत्तर प्रदेश एनर्जी एक्सपो 2026 का आयोजन 7 से 9 मई 2026 तक इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस तीन दिवसीय एक्सपो में देश-विदेश से 150 से अधिक प्रदर्शक और 60 से अधिक वक्ता भाग लेंगे, जो 10 थीमैटिक सत्रों के माध्यम से तकनीक, नीति और निवेश के अवसरों पर चर्चा करेंगे।

गोपाल कुशवाहा, जिला विकास अधिकारी, प्रयागराज ने जमीनी स्तर पर सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा का व्यापक उपयोग ग्रामीण विकास, ऊर्जा पहुंच और आर्थिक सुदृढ़ता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

विनय कुमार टंडन, अध्यक्ष, पूर्वी उत्तर प्रदेश चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने कहा कि सौर ऊर्जा पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों का एक प्रभावी विकल्प बनकर उभर रही है।

नवरात्रि के अवसर पर भुईयांन बाबा के स्थान पर मेले का आयोजन

-पूरे दिन रहा आस्था व उत्साह का माहौल

(जीएनएस)।

खखरेरू। क्षेत्र के तेंदुआ गांव में चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर एक दिवसीय पारंपरिक मेले का भव्य आयोजन किया गया। मेले में आसपास के गांवों सहित दूर-दराज क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु पहुंचे और पूरे दिन आस्था व उत्साह का माहौल बना रहा।

गांव के प्राचीन एवं प्रसिद्ध भुइयांन बाबा के स्थान पर प्रत्येक वर्ष चैत्र मास की द्वितीया तिथि को यह मेला आयोजित किया जाता है। मान्यता है कि भुइयां बाबा के सिद्ध स्थल पर सच्चे मन से मांगी गई मन्नत अवश्य पूर्ण होती है। इसी आस्था के चलते सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें मंदिर परिसर में देखी गईं, जहां लोगों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। मेले में जनपद फतेहपुर के साथ-साथ अन्य जनपदों से आए दुकानदारों ने विभिन्न प्रकार की दुकानों को सजाया। यहां खिलौने, घरेलू सामान, मिठाइयों और खान-पान की दुकानों पर लोगों की भीड़ उमड़ती रही। बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों ने मेले का भरपूर आनंद लिया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। मेले के चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात रहा, जिससे आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। वहीं, मेले के सफल आयोजन में गांव के ग्रामीणों का विशेष सहयोग रहा, जिन्होंने साफ-सफाई और व्यवस्था बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई। ग्रामीणों ने बताया कि यह मेला वर्षों पुरानी परंपरा का हिस्सा है, जो क्षेत्र की आस्था और सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए हुए है।

पंप के सोलर पैनल चोरी होने से किसानों में बढ़ी चिंता

(जीएनएस)।

खखरेरू। थाना क्षेत्र के कठरिया गांव में सबमर्सिबल पंप के सोलर पैनल चोरी होने के बाद किसानों में चिंता बढ़ गई है। पीड़ित ने चोरी होने की शिकायत थाने में की है।

कठरिया गांव निवासी कुंदन सिंह ने पुलिस को शिकायती पत्र में बताया कि घर से करीब 2 सौ मीटर की दूरी पर स्थित उनके खेत में सबमर्सिबल पंप लगा हुआ है। वह इसमें 90 हजार की लागत से सोलर पैनल लगवाए थे। शुक्रवार सुबह जब उनके चाचा पंप गए तो तो वहां से पैनल गायब मिले। घर के नजदीक हुई इस चोरी से ग्रामीणों में रोष है। उनका कहना है

कि जब आबादी के पास लगे उपकरण सुरक्षित नहीं हैं, तो दूर खेतों में लगे पंपों की सुरक्षा को लेकर चिंता स्वाभाविक है। थाना प्रभारी विद्या प्रकाश सिंह ने बताया कि तहरीर मिली है, मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

ठाकुरगंज के बीएएलएस इंटर कॉलेज में मनाया गया ईद उत्सव

लखनऊ। ठाकुरगंज स्थित बी एल एस इंटर कॉलेज में ईद का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में उत्सवी माहौल देखने को मिला और चारों ओर खुशियों की रौनक बिखरी रही। कार्यक्रम के दौरान छोटे-छोटे बच्चों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। वहीं बच्चों ने एक-दूसरे को सेवइयां खिलाकर भी ईद की मुबारकबाद दीं, जिससे आपसी प्रेम और भाईचारे का सुंदर संदेश देखने को मिला। विद्यालय को

इस अवसर पर आकर्षक रूप से सजाया गया था, जो सभी के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। रंग-बिरंगी सजावट और उत्सव का माहौल बच्चों के उत्साह को और बढ़ा रहा था। विद्यालय के मैनेजर संदीप साहू ने बताया कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में आपसी प्रेम और सहयोग की भावना को बढ़ावा देते हैं। इस अवसर पर डायरेक्टर प्रदीप साहू, प्रधानाचार्य रवि किशोर, उप-प्रधानाचार्य रोमा जाफरी के साथ शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं अन्य स्टाफ मौजूद रहे।

बिना सुरक्षा उपकरण के बिजली खंभे पर काम करता दिखा मजदूर, बड़ा हादसा होने की आशंका

(जीएनएस)।

शक्तिनगर (सोनभद्र)। बीना चौकी क्षेत्र के अंतर्गत शक्तिनगर-वाराणसी मुख्य मार्ग पर स्थित रेहटा मोड़ के पास एक मजदूर बिजली के खंभे पर बिना किसी सुरक्षा उपकरण के काम करता हुआ दिखाई दिया। यह नजारा न सिर्फ चौंकाने वाला था, बल्कि एक संभावित बड़े हादसे की ओर भी इशारा करता है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मजदूर बिना सेफ्टी बेल्ट व अन्य आवश्यक सुरक्षा साधनों के ऊंचाई पर चढ़कर काम कर रहा था। ऐसे में उसकी जान को गंभीर खतरा बना हुआ था।

सूत्रों की मानें तो इससे पहले भी खड़िया क्षेत्र में इसी तरह की लापरवाही के चलते हादसा हो चुका है, जिसमें मजदूर की जान जोखिम में पड़ी थी। बावजूद इसके, बिजली विभाग की कार्यप्रणाली में कोई सुधार देखने को नहीं मिल रहा है।

आखिर कब तक मजदूरों की

जान के साथ इस तरह खिलवाड़ होता रहेगा? कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जाए, ताकि भविष्य में किसी भी अनहोनी से बचा जा सके।

महिलाओं के साथ मारपीट करने का वीडियो वायरल

(जीएनएस)।

खखरेरू। थाना क्षेत्र में महिलाओं के साथ मारपीट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वायरल वीडियो रोहिल्लापुर गांव का बताया जा रहा है। इसमें जमीनी विवाद को लेकर खखरेरू थाने में तैनात एक चौकीदार महिलाओं के साथ मारपीट और अभद्र व्यवहार करता नजर आ रहा है। वीडियो में कथित रूप से गाली-गलौज की भी आवाज सुनाई दे रही है। हालांकि, वायरल वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन इसे लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। लोगों का कहना है कि यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो यह महिला सम्मान और कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। वहीं, महिला सशक्तिकरण के दावों के बीच इस तरह की घटना सामने आने से लोगों में असंतोष देखा जा रहा है। सोशल मीडिया पर भी वीडियो को लेकर विभिन्न तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। इस संबंध में थाना प्रभारी विद्या प्रकाश सिंह ने बताया कि वायरल वीडियो नया नहीं, बल्कि कई महीने पुराना है। उन्होंने कहा कि संबंधित लोगों के बीच घर के बंटवारे को लेकर आपसी कहासुनी हुई थी, जिसका यह वीडियो बताया जा रहा है। मामले को लेकर आवश्यक जानकारी जुटाई जा रही है।

ईदुल फितरः मकसद और ज़िम्मेदारी

ईद यानी रमजान की ज़िम्मेदारी को मुकम्मल अदा करने के अहसास को महसूस करने और खुदा का शुक्र अदा करने वाला खुशी का दिन। लेकिन मसअला ये है कि आज का इंसान मनपसंद चीज हासिल करने या मनपसंद अमल अंजाम देने की आजादी को ही खुशी समझने लगा है। वो खुशी के असली मानी के नजदीक भी नहीं पहुंच पा रहा है क्योंकि खुशी वो अहसास है जो इंसानी मुआशरे में सबके लिए सुकून का सबब होता है। इसे समझने के लिए ईद से जुड़े बुजुर्गों की रिवायतों पर गौर किया जा सकता है।

पहली शव्वाल की सुबह, सूरज निकलने के बाद गुजरे रमजान में बख़्शी गई खुदा की बेशुमार नेम'अतों और रहमतों का शुक्र अदा करने के लिए नमाज ए ईद से पहले मुआशरे के गरीबों तक फितरा पहुंचाने का सिलसिला खुशी की बुनियाद माना जाता है और फि र नमाज में खुदा का शुक्र अदा करने के बाद छोटों को कुछ रकम या तोहफा देकर खुशी के सिलसिले को आगे बढ़ाया जाता है तो दूसरी तरफ बड़ों से दुआएं हासिल करके इस खुशी में चार चांद लगाए जाते हैं। गुजरे हुए साल में मरहूम हुए रिश्तेदारों और पड़ोसियों के घरों में हाज़िरी देते हुए फातेहा पढ़कर गमजदा लोगों को तसल्ली दी जाती है और उसके बाद घर आए मेहमानों की अपनी हैसियत के मुताबिक खातिर की जाती है।

खुशी के इस पूरे सिलसिले को ईद कहते हैं जिसमें ना तो नये कपड़ों और शानदार खुशबूओं का होना लाज़िमी है और ना ही मोटरसाइकिलों की शोर मचाती दौड़ और फिल्मी गानों की बेहूदगी से इसका कोई सरोकार है। अगर किसी की अहमियत है तो वो है खुदा की बारगाह में बंदगी का खालिस अहसास और खुदा के दीगर बंदों के साथ इन्केसारी, खुलूस और मुहब्बत के रिश्ते को कमाल की मंज़िल तक ले जाकर ऐसे मुआशरे को बनाने में मददगार बनना जहां हर गरीब, यतीम और बेवा खुद को महफूज और आजाद महसूस करते हुए अपनी जायज जरुरियात को आसानी से पूरा कर सके ।

अगर इंसान शुक्र और इन्केसारी के इस अहसास को महसूस करके अपनी रोजमर्रा की ज़िन्दगी में शामिल कर पाता है तो यक़ीनन ईद अपने मकसद में कामयाब होगी और अगर इस अहसास से दूर हैं तो शानदार कपड़ों, बेहतरीन खुशबुओं और महंगें पकवानों के दिखावे को सिर्फ़. स्टेटस सिंबल ही माना जाएगा जिनका खुशी के बुनियादी उसूल से कोई रिश्ता नहीं है।

दुनिया के मौजूदा हालात में मजलूमों की हिमायत हर हाल में वाजिब है इसलिए कोशिश होनी चाहिए कि उनके हक में खुदा की बारगाह में दुआओं के लिए हाथों को उठाने के साथ साथ उन तक खुशी का अहसास पहुंचाने के लिए अपनी जरूरतों को कुछ कम करके जल्द से जल्द और ज्यादा से ज्यादा उनकी जरूरतें पूरी करने की कोशिश करनी चाहिए।

'खेल से खुशी'पहल से बाराबंकी में खेलों तक पहुँच और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा

बाराबंकी, उत्तर प्रदेश

'खेल से खुशीः युवाओं के लिए खेल'पहल के अंतर्गत सतरिख मिनी स्टेडियम में एक सफल कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बच्चों, किशोरों, समुदाय के सदस्यों और विभिन्न हितधारकों की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम का उद्देश्य खेलों को बढ़ावा देना और सामुदायिक कल्याण को सशक्त करना है।

यह पहल सीआईआई फाउंडेशन द्वारा संचालित है, जिसे हेल एनर्जी का सहयोग प्राप्त है तथा ताराश्री फाउंडेशन के साथ साझेदारी में लागू किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरूआत ताराश्री फाउंडेशन की संस्थापक सुश्री विभा एवं सुश्री इप्शा सिंह द्वारा स्वागत और पहल के परिचय से हुई, जिसमें युवाओं के विकास हेतु सुलभ खेल अवसंरचना के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इसके बाद फेलोशिप कार्यक्रम की प्रतिभागियों ने 'अरमान हूँ मैं'गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम को प्रेरणादायक स्वर प्रदान किया।

कार्यक्रम में सुश्री आकांक्षा गुप्ता, उप-जिलाधिकारी (रउट), बाराबंकी एवं सुश्री प्रीति वर्मा, खंड विकास अधिकारी (इउद्ब), हरख ब्लॉक की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने बच्चों और

किशोरों को उनके समग्र विकास के लिए खेलों में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित किया।

कार्यक्रम की प्रमुख झलकियों में स्टेडियम में खेल सुविधाओं का उद्घाटन तथा वॉलीबॉल, क्रिकेट, बैडमिंटन, बास्केटबॉल और टेबल टेनिस के लिए स्पोर्ट्स किट का वितरण शामिल रहा। साथ ही तारा मेमोरियल टेबल टेनिस चैम्पियनशिप का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विजेताओं को ट्रॉफी एवं अन्य प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को स्पोर्ट्स किट भी प्रदान की गईं, जिससे खेलों में उनकी निरंतर भागीदारी सुनिश्चित हो सके और नियमित शारीरिक गतिविधि को बढ़ावा मिले।

इस अवसर पर श्री सुनील मिश्रा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सीआईआई फाउंडेशन ने युवाओं के विकास में खेलों की भूमिका पर बल देते हुए कहा कि भारत वर्ष 2036 में ओलंपिक की मेजबानी की दिशा में अग्रसर है और ऐसी पहलें युवाओं को वैश्विक मंच तक पहुँचाने में सहायक होंगी। कार्यक्रम में श्री अतुल कुमार सिंह, निदेशक, गणपति एग्रो ने भी अपने विचार साझा किए। समापन संबोधन श्री आलोक शुक्ला, निदेशक एवं उत्तर प्रदेश राज्य प्रमुख, भारतीय उद्योग परिसंघ (उक्क) द्वारा किया गया।

'खेल से खुशीः युवाओं के लिए खेल'पहल का उद्देश्य बच्चों और किशोरों के लिए खेलों तक समान अवसर सुनिश्चित करना, उनमें आत्मविश्वास एवं जीवन कौशल का विकास करना, विशेष रूप से बालिकाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना, तथा संरचित मंचों के माध्यम से सामुदायिक सहभागिता को सुदृढ़ करना

मुस्लिम समाज ने पुष्प वर्षा कर चेटी चंड जुलूस का किया भव्य स्वागत

ईद की पूर्व संध्या पर पेश की गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में एक बार फिर सामाजिक सद्भाव, एकता और भाईचारे की अद्भुत मिसाल देखने को मिली। ईद की पूर्व संध्या पर मुस्लिम समाज के लोगों ने सिंधी समाज के पावन पर्व चेटी चंड के अवसर पर निकाले गए भव्य जुलूस का दिल खोलकर स्वागत किया। यह दृश्य न सिर्फ शहरवासियों के लिए प्रेरणादायक रहा, बल्कि गंगा-जमुनी तहजीब की जीवंत तस्वीर भी पेश कर गया।

केसरबाग चौराहे पर आयोजित इस स्वागत समारोह में मुस्लिम समाज के गणमान्य लोगों एवं विशिष्ट नागरिकों ने जुलूस पर पुष्प वर्षा कर और माल्यार्पण कर साईं हरीश लाल जी का जोरदार अभिनंदन किया। वातावरण में उत्साह, श्रद्धा और सौहार्द का अनूठा संगम देखने को मिला।

ज्ञात हो कि भगवान झूलेलाल, जिन्हें वरुण देवता का अवतार माना जाता है, के प्राकट्य दिवस पर सिंधी समाज अपना नववर्ष मनाता है। इसी पावन अवसर पर हर वर्ष चेटी चंड की भव्य शोभायात्रा निकाली जाती है, जो शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई केसरबाग पहुंची।

इस ऐतिहासिक स्वागत में मुस्लिम समाज ने आपसी सौहार्द की शानदार मिसाल देते हुए रोजा खोलते खोलते ही शोभायात्रा का हार फूल माला पहना कर और पुष्प वर्षा करते हुए स्वागत किया।

मुस्लिम समुदाय में शामिल वरिष्ठ पत्रकार अब्दुल वहीद, जुबेर अहमद, तौसीफ हुसैन, नजम अहसन, परवेज अख्तर, वामिक खान के साथ समाजसेवी अब्दुल रशीद, मो. मुख्तार, तौसीफ आलम, आरिफ मुकीम, अब्दुल मोईद, शामिल रहे, साथ ही अवधेश सोनकर,राजेश साहू और अमरजीत कुरील सहित कई प्रमुख लोग मौजूद रहे।

वहीं सिंधी समाज की ओर से मुरलीधर आहूजा, मोहनदास लाधानी, विवेक लाधानी, वीरेंद्र खत्री, संजय जेसवानी, श्यामलाल कृष्णानी, अशोक मोतियानी, सतीश अथवानी, रतन मेघानी, अशोक चंदवानी, अनिल बजाज, सतेंद्र भवनानी, महेश दीक्षित, दर्शन लाल एवं साईं किशनलाल जी ने मुस्लिम समाज और पत्रकारों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

मुरलीधर आहूजा ने इस अवसर पर सभी को ईद की अग्रिम मुबारकबाद देते हुए देश में अमन, शांति और भाईचारे की कामना की।

यह आयोजन इस बात का प्रमाण है कि विविधताओं से भरे हमारे समाज में आपसी प्रेम और सम्मान ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

भारत के उद्योग एवं व्यापार क्षेत्र में क्रांतिकारी सुधार हेतु राष्ट्रीय आंदोलन का ऐलान

नई दिल्ली। हिंदुस्तान उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय सचिव समाजवादी पार्टी एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने आज देश के उद्योग एवं व्यापार क्षेत्र में व्याप्त गंभीर समस्याओं को लेकर केंद्र सरकार के समक्ष एक विस्तृत ज्ञापन प्रस्तुत किया।

उन्होंने कहा कि भारत विश्व की तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था होने के बावजूद, जमीनी स्तर पर उद्योग और व्यापार आज भी जटिल नीतियों, भ्रष्टाचार, वित्तीय बाधाओं और प्रशासनिक अव्यवस्था से जूझ रहा है।

व्यवस्था की विफलता पर तीखा प्रहार

मोहम्मद अरशद खान ने कहाः

'जब तक लाइसेंस, टैक्स, बैंकिंग और न्याय प्रणाली को सरल और पारदर्शी नहीं बनाया जाएगा, तब तक 'आत्मनिर्भर भारत' केवल एक नारा बनकर रह जाएगा।'

उन्होंने आरोप लगाया किः

छोटे और मध्यम व्यापारियों को सरकारी प्रक्रियाओं में जानबूझकर उलझाया जाता है

GST प्रणाली जटिल होकर व्यापारियों पर बोझ बन चुकी है

बैंकिंग व्यवस्था गरीब और मध्यम वर्ग के उद्यमियों के लिए बाधा बन गई है

भ्रष्टाचार और निरीक्षण तंत्र उद्योग को दबाने का काम कर रहा है

राष्ट्रीय स्तर पर बड़े सुधारों की मांग

ज्ञापन में निम्नलिखित ऐतिहासिक मांगें उठाई गईः

'एक राष्ट्र झ एक लाइसेंस'नीति लागू हो

टरटए के लिए ब्याज मुक्त या न्यूनतम ब्याज ऋण योजना

ॠळ प्रणाली का पूर्ण सरलीकरण

हर जिले में इंडस्ट्रियल हब की स्थापना

व्यापारिक मामलों के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट

लोकल से ग्लोबल मिशन को राष्ट्रीय अभियान बनाया जाए

डिजिटल व्यापार एवं ई-कॉमर्स को विशेष प्रोत्साहन

राष्ट्रीय आंदोलन का ऐलान

मोहम्मद अरशद खान ने चेतावनी देते हुए कहाः

'यदि सरकार ने उद्योग और व्यापार जगत की इन जायज मांगों को गंभीरता से नहीं लिया, तो हिंदुस्तान उद्योग व्यापार मंडल देशभर में चरणबद्ध राष्ट्रीय आंदोलन शुरू करेगा।'

आंदोलन की रूपरेखाः

जिला स्तर पर व्यापारिक महासभाएं

राज्य स्तर पर उद्योग सम्मेलन

दिल्ली में विशाल राष्ट्रीय धरना-प्रदर्शन

व्यापारी, किसान और युवा संगठनों को जोड़कर संयुक्त आंदोलन

देश के विकास से जुड़ा है मुद्दा

उन्होंने कहा कि यह केवल व्यापारियों का मुद्दा नहीं, बल्किः

रोजगार

आर्थिक विकास

युवाओं के भविष्य

और भारत की वैश्विक स्थिति से जुड़ा हुआ विषय है

देशवासियों से अपील

मोहम्मद अरशद खान ने सभी उद्योगपतियों, व्यापारियों, युवाओं और आम नागरिकों से इस आंदोलन में जुड़ने की अपील करते हुए कहाः

मनोनीत पार्षद अशोक राज का सभी जाति के लोगों ने किया जोरदार स्वागत

भाजपा ने समर्पित कार्यकर्ता को पार्षद मनोनीत किया तो ग्रामीणों ने जताया आभार

मथुरा (जीएनएस)। राज्यपाल के अनुमोदन से उत्तर प्रदेश सरकार ने मथुरा-वृंदावन नगर निगम मे 10 मनोनीत पार्षद नियुक्त किए हैं। मनोनीत पार्षदों में तारसी से ठा. अशोक राज सिंह एडवोकेट को भी सरकार ने मनोनीत पार्षद बनाया गया। मनोनीत पार्षद ठा. अशोक राज सिंह एडवोकेट, भाजपा के योग्य, समर्पित एवं जमीनी कार्यकर्ता रहे हैं। वह क्षेत्र में लोंगो के साथ हर सुख-दुख में जुड़े रहना उनकी प्राथमिकता रही है। वह सरल स्वभाव, बेहतर कार्यशैली, योग्य व प्रतिभाशाली भाजपा कार्यकर्ता हैं। मनोनीत पार्षद ठा. अशोक राज सिंह एडवोकेट ने अपनी शारीरिक पीड़ा को कभी कमजोरी नहीं बनने दिया। उनके पार्षद मनोनीत होने पर उनका जगह-जगह गर्म जोशी के साथ स्वागत हो रहा है। पार्षद मनोनीत होने के बाद जब वह अपनी जन्मभूमि, गांव तारसी पहुंचे तो लोगों ने उनको फूल मलाओं से लाद दिया। इस मौके पर मेहनती, कार्यकुशल कार्यकर्ता को मनोनीत

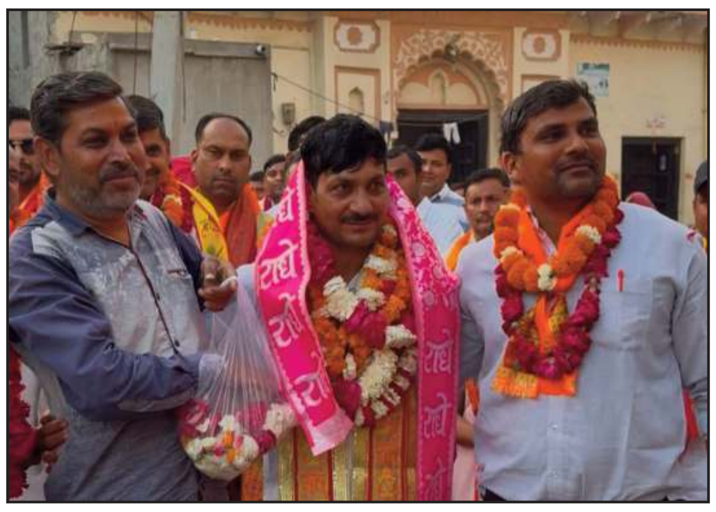

पार्षद नियुक्त करने पर ग्रामीणों ने भारतीय जनता पार्टी के महानगर अध्यक्ष हरिशंकर (राजू यादव) और शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है। मनोनीत पार्षद ठा. अशोक राज सिंह द्वारा गांव का भ्रमण करने के दौरान सभी जाति और समाज के सैकड़ों लोंगो ने फूल मालाओ और स्वाफा बांध कर भव्य स्वागत किया। इस बीच उन्होंने अपने गांव के प्रसिद्ध और पौराणिक श्री दाऊजी महाराज मंदिर मे दर्शन करके गांव की परिक्रमा की। इस मौके पर स्वागत करने वालों मे डा. अशोक सविता, विनोद सविता, सुनील सविता, भरत सविता, सोनपाल पंडित, ओमप्रकाश पंडित, लक्ष्मण पंडित, मदन पंडित, भगवान दास पंडित, रणछोड़ पंडित, देवो पंडित, ठाकुर मुरारी सिंह, हरीराम सिंह, मनोज सिंह, चंद्रशेखर सिसौंदिया, खजान सिंह, मोहन सिंह, बिहारीलाल, मानवेन्द्र सिंह, देवराज चौधरी, पवन सिंह, सतीश, दिलीप सिंह, अमर सिंह, हरगोपाल, अमर सिंह, रौहतान सिंह, ओमवीर सिंह, मोहन पटेल, ताराचंद्र बघेल, गंगाराम बघेल, राजेश बघेल, छब्बी बघेल, सोनपाल बघेल, हनुमान बघेल, लाल सिंह बघेल, विजय बघेल, प्रेम सिंह बघेल, पन्ना बघेल, मानिक बघेल, मोहन वाल्मीकि, रुपकिशोर खंडेलवाल, मनोज खंडेलवाल और मथुरी अग्रवाल आदि ने सम्मान किया। इस मौके पर पूर्व मंडल अध्यक्ष यशपाल सिंह, मंडल अध्यक्ष अजय सिंह, राधा सिंह, बिहारीलाल, बालकिशन उपाध्याय, मोहन भारद्वाज, शगुन सैनी, लेखराज सिंह, अमर सिंह, आनंद सिंह, आलोक सिंह, नन्दकिशोर, परसोती, होतीलाल, भगवान सिंह और भोला आदि लोग मौजूद रहे।

एएनटीएफ यूनिट और जैंत पुलिस ने दबोचा 15 हजार का ईनामी तस्कर गिरफ्तार

मथुरा (जीएनएस)। थाना जैंत से मादक पदार्थ तस्करी में फरार चल रहे 15 हजार के ईनामी तस्कर को एएनटीएफ यूनिट और जैंत पुलिस ने मथुरा जंक्शन से दबोच लिया। जानकारी के अनुसार आगरा जोन की एएनटीएफ यूनिट के इंस्पेक्टर हरवेन्द्र मिश्रा और थाना प्रभारी जैंत उमेश चन्द्र त्रिपाठी पुलिस टीम के साथ मादक पदार्थ तस्करों की धरपकड़ में लगे हुए थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि थाना जैंत से फरार चल रहा 15 हजार का ईनामी मादक पदार्थ तस्कर कहीं भागने की फिराक में मथुरा जंक्शन के पास रास्ते पर खड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही

एएनटीएफ आगरा यूनिट के इंस्पेक्टर हरवेन्द्र मिश्रा और थाना प्रभारी जैंत उमेश चन्द्र त्रिपाठी पुलिस टीम में एएनटीएफ के एसआई गौरव शर्मा, एएनटीएफ के मुख्य आरक्षी आशीष शुक्ला, लखनलाल, अजीत कुमार और थाना जैंत के मुख्य आरक्षी संजीव कुमार के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस टीम के पहुंचते ही वहां खड़ा ईनामी तस्कर भागने लगा। एएनटीएफ यूनिट और जैंत पुलिस ने भागने का प्रयास कर रहे 15 हजार के ईनामी मादक पदार्थ तस्कर जसवीर सिंह उर्फ जस्सा पुत्र स्व. जोगेन्द्र सिंह निवासी रोहटी थाना झांनसा कुरूक्षेत्र (हरियाणा) हाल निवासी सेक्टर-3 पीपली अर्बन स्टेट थाना थानेसर सदर जिला कुरूक्षेत्र (हरियाणा) को घेराबंदी करके दबोच लिया।

सलोन रायबरेली' एतिकॉफ रमजान के आखरी 10 दिनों अर्थात (20 रमजान से ईद का चांद दिखने तक) मस्जिद में रहकर अल्लाह की इबादत में पूरी तरह समर्पित करने को कहते हैं एक सुन्नत है जिसका उद्देश्य शबे कद्र को पाना और इबादत के माध्यम से आध्यात्मिक सुकून हासिल करना है' एतिकाफ में बैठने वालों के के लिए रोजा रखना जरूरी है' इसके माध्यम से लैलतुल कद्र की रात हासिल करने की उम्मीद होती है' यह उदगारं मस्जिद उस्मान खान में मौलाना सलमान नदवी ने वारिस अली, मोहम्मद असद खान, मोहम्मद उमर खान के 10 दिन एटीकाफ पूर्ण होने पर नमाजियों को संबोधित करते

हुए कहे' सभी को ईद की मुबारकबाद दी' तीनों लोगों को मोहम्मद अयूब खान, मोहम्मद आसिफ खान ,मोहम्मद इमरान खान, मोहम्मद शरीफ गड़ड़ी मास्टर शकील, मौलाना हम्माद इसरार हैदर रानू ,मोहम्मद इस्माइल खान, मोहम्मद सालिम, मोहम्मद तैयब खान, अफरोज अहमद ने मुबारकबाद दी सभी ने मुल्क में अम्ल शांति भाईचारा कायम रखने की दुआ की'

अलविदा जुम्मा पर चाक-चौबंद रही सुरक्षा व्यवस्था, थाना करेली पुलिस रही पूरी तरह मुस्तैद

प्रयागराज, आज अलविदा जुम्मा के दृष्टिगत थाना करेली क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह सुदृढ़ एवं चाक-चौबंद रही। थाना अध्यक्ष आशीष सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम पूरी तरह मुस्तैद दिखाई दी।

नमाज के दौरान क्षेत्र की सभी मस्जिदों के आसपास पर्याप्त पुलिस बल तैनात रही। थाना अध्यक्ष द्वारा स्वयं घुड़सवार पुलिस बल के साथ

क्षेत्र में भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। उन्होंने विभिन्न मस्जिदों पर पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण किया और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

पुलिस की सक्रियता एवं सतर्कता के चलते नमाज शांतिपूर्ण एवं सकुशल सम्पन्न हुई। क्षेत्र में कहीं से भी किसी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना प्राप्त नहीं हुई।

तेलंगाना गद्दार फिल्म अवार्ड्स 2025'का भव्य समापनः सिनेमा, संस्कृति और उत्कृष्टता का ऐतिहासिक उत्सव

(जीएनएस)।

लखनऊ/ हैदराबाद में आयोजित तेलंगाना गद्दार फिल्म अवार्ड्स 2025'का शानदार समापन हुआ। यह आयोजन क्षेत्रीय सिनेमा, लोक संस्कृति और तकनीकी उत्कृष्टता का एक अनूठा संगम साबित हुआ, जिसने नए मानक स्थापित किए। इस समारोह ने तेलंगाना की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाने के साथ-साथ उन कलाकारों और तकनीशियनों को सम्मानित किया, जो पर्दे के पीछे रहकर सिनेमा को जीवंत बनाते हैं। इस वर्ष तेलंगाना गद्दार फिल्म अवार्ड्स 2025'ने अपने उत्कृष्ट आयोजन, प्रभावशाली प्रस्तुति और पारदर्शी पुरस्कार चयन प्रक्रिया के माध्यम से एक नई मिसाल कायम की। कार्यक्रम में फिल्म उद्योग के दिग्गजों, उभरते कलाकारों, निर्देशकों, संगीतकारों और तकनीशियनों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। समारोह की शुरूआत तेलंगाना की लोक परंपराओं से प्रेरित रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुई, जिसने दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ दिया। प्रमुख हस्तियांः इस भव्य समारोह में चिरंजीवी,नागार्जुन,महेश बाबू ,रश्मिका मंदाना,विजय देवरकोंडा और प्रकाश राज जैसे दिग्गज कलाकार शामिल हुए। कार्यक्रम में रेवंत रेड्डी (मुख्यमंत्री, तेलंगाना),सहित कई वरिष्ठ जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। पुरस्कार

विजेताः समारोह में विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कलाकारों को सम्मानित किया गयाः सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार अल्लू अर्जुन को मिला। सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का सम्मान साई पल्लवी को दिया गया। सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार कोडुरी श्रीशैला श्री राजामौली को मिला। सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार एक चर्चित तेलंगाना-आधारित फिल्म को दिया गया। सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशक का सम्मान कीरावणी को मिला। उभरते कलाकार का पुरस्कार सिद्दू जोन्नालगड्डा को प्रदान किया गया। तेलंगाना गद्दार फिल्म अवार्ड्स 2025'की एक प्रमुख विशेषता तकनीकी क्षेत्रों को दिया गया महत्व रहा। सिनेमैटोग्राफी, एडिटिंग, साउंड डिजाइन, आर्ट डायरेक्शन और कॉस्ट्यूम डिजाइन जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पेशेवरों को भी सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान प्रसिद्ध लोक गायक और जनकवि गद्दार को विशेष श्रद्धांजलि दी गई। उनके योगदान और विचारों को याद करते हुए आयोजन को एक गहरी सांस्कृतिक पहचान प्रदान की गई। आयोजकों ने बताया कि तेलंगाना गद्दार फिल्म अवार्ड्स 2025'का उद्देश्य केवल पुरस्कार प्रदान करना नहीं, बल्कि तेलंगाना सिनेमा को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है। आने वाले वर्षों में इस मंच को और विस्तारित करने की योजना भी साझा की गई। तेलंगाना गद्दार फिल्म अवार्ड्स 2025'ने यह साबित कर दिया कि जब लोक संस्कृति और आधुनिक सिनेमा का संगम होता है, तो उत्कृष्टता एक नई पहचान बनाती है।

लघु उद्योग भारती लखनऊ की वार्षिक आम सभा की बैठक संपन्न

लखनऊ। लघु उद्योग भारती लखनऊ की वार्षिक आम सभा, अवध संभाग बैठक , यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया कान्क्लेव और पारिवारिक होली मिलन समारोह का आयोजन आज

गोमतीनगर विस्तार स्थित होटल मर्क्योर, शहीद पथ (पलासियो माल के पास) में किया गया।

संगठन के इस वृहद कार्यक्रम की शुरूआत शाम 5.30 बजे दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ।

इस आयोजन में व्यापारिक विमर्श, बैंकिंग समाधान और सांस्कृतिक उल्लास का बेहतरीन संगम देखने को मिला।

सबसे पहले लघु उद्योग भारती लखनऊ की वार्षिक आम सभा की बैठक सम्पन्न हुई

वार्षिक आम सभा में आगामी वर्ष (2026-27) की रूपरेखा तय की गई और अवध संभाग की प्रगति पर चर्चा हुई।

कार्यक्रम के तीसरे चरण में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के साथ

उद्यमियों की समस्याओं और ऋण प्रक्रिया को सरल बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में स्वांत रंजन, अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख, विशिष्ट अतिथि ब्रजेश पाठक , उपमुख्यमंत्री उ0प्र0, मधुसूदन दादू अखिल भारतीय अध्यक्ष लघु उद्योग भारती जैसे दिग्गजों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता रविन्द्र सिंह प्रदेश अध्यक्ष लघु उद्योग भारती ने कहा कि आज का आयोजन न केवल उद्योगों के विकास के लिए एक मंच बना, बल्कि सामाजिक मेलजोल का भी एक सुंदर उदाहरण भी इस कार्यक्रम में प्रस्तुत हुआ।

लघु उद्योग भारती लखनऊ इकाई द्वारा संगठन की बैठक के बाद कार्यक्रम का समापन पारिवारिक होली मिलन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और ब्रज की फूलों की होली के साथ हुआ, जिसमें 200 से अधिक उद्यमियों और उनके परिवारों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में रामप्रकाश गुप्ता, अध्यक्ष अवध संभाग, अरूण भाटिया संभाग महामंत्री , लखनऊ इकाई के अध्यक्ष केशव माथुर, राजीव शर्मा महामंत्री, अनुज सहानी कोषाध्यक्ष मुख्य रूप से उपस्थित थे।

वृंदावन नगरी हुई श्रद्धा और भक्ति में सराबोर : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नीब करौरी बाबा की समाधि के किए दर्शन

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के साथ हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना, महाराज जी की कुटिया और संग्रहालय का किया अवलोकन

मथुरा (जीएनएस)। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, ब्रज यात्रा के दूसरे दिन शुक्रवार को भक्ति और अध्यात्म के रंग में रंगी हुई नजर आयीं। इस मौके पर राष्ट्रपति ने प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के साथ विश्व प्रसिद्ध श्री नीब करौरी बाबा आश्रम के दर्शन करके हनुमान जी के दर्शन करके पूजा की। जानकारी के अनुसार राष्ट्रपति का काफिला होटल रेडिशन से आश्रम के देवी मंदिर मार्ग से पहुंचा तो वहां मौजूद राधाकृष्ण पाठक, देवेन्द्र कुमार शर्मा और सेवानिवृत ग्रुप कैप्टन संदीप भटेले ने उनका स्वागत किया। इसके बाद राष्ट्रपति और राज्यपाल वहां से हनुमान जी के मंदिर पहुंची। वहां मुख्य पुजारी रामरूप और टीसी शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा कराई। राष्ट्रपति ने विधि-विधान से आरती करते हुए मंदिर की परिक्रमा कर देश की सुख-समृद्धि की कामना की। हनुमान मंदिर में दर्शन करने के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, बाबा नीब करौरी की समाधि स्थल पहुंची तो वहां का वातावरण भक्तिमय हो गया। समाधि स्थल पर अभिषेक पुजारी और नरेंद्र मोहन अग्रवाल ने राष्ट्रपति को बाबा की फोटो, पटुका और बाबा का

प्रिय "कंबल" आशीर्वाद स्वरूप प्रदान किया। राष्ट्रपति ने वहां की परिक्रमा करके अपनी आस्था प्रकट की। दर्शन करने के बाद राष्ट्रपति ने नीम करौरी महाराज जी की उस पावन कुटिया के दर्शन किए, जहां बाबा प्रवास करते थे। इसके बाद उन्होंने आश्रम स्थित संग्रहालय का भी भ्रमण किया। इस अवसर पर डा. अनुराग पाठक ने उन्हें आश्रम के गौरवशाली इतिहास और बाबा के जीवन से जुड़ी स्मृतियों का विस्तृत विवरण दिया।

राष्ट्रपति ने प्रत्येक वस्तु का बारीकी से अवलोकन किया और प्रस्थान से पूर्व श्रद्धापूर्वक दान पेटिका में लिफाफा समर्पित किया। इस अवसर पर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण और जनपद के प्रभारी मंत्री संदीप सिंह उनके साथ मौजूद रहे। इस दौरान सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजामों के बीच राष्ट्रपति की इस यात्रा ने समूचे वृंदावन को भक्ति के उल्लास से भर दिया। इससे पूर्व राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज के दर्शन कर उनके प्रवचन भी सुने।

' प्रतिभा को पहचान सपनों को उड़ान ' में बिखरी कालबेलिया और लावणी नृत्य की मनोरम छटा

लखनऊ, 20 मार्च 2026। घुँघरू नृत्य संगम डांस अकादमी के तत्वावधान में आज शाम ऐशबाग रामलीला मैदान में चल रहे चैती महोत्सव की दूसरी सांस्कृतिक संध्या में ' प्रतिभा को पहचान सपनों को उड़ान ' में कालबेलिया और लावणी नृत्य की मनोरम छटा बिखरी।

प्रतिभा को पहचान सपनों को उड़ान कार्यक्रम का शुभारंभ घुंघरू डांस एकेडमी के कलाकारों आराध्या, ऋषिता, अविका, अनाया और तनीषी ने मनीषा यादव के नृत्य निर्देशन में काल्यो कूद पड्यो मेला में पर आकर्षक राजस्थान का प्रसिद्ध कालबेलिया नृत्य और अप्सरा आली

पर महाराष्ट्र का लावणी नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

भक्ति संगीत से सजे कार्यक्रम के अगले सोपान में घुंघरू नृत्य संगम की ओर से जय कन्हैया लाल की पर मनीषा यादव, मलखान सिंह, लवली घिल्डियाल, मौसमी, वर्षा, सौम्या, मालसी, आद्या और शनाया ने अपने सारगर्भित लोक नृत्य के जरिए श्री कृष्ण जन्मलीला को प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमुदाय को श्री कृष्ण की भक्ति के सागर में आकंठ डुबोया।